Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 08-08-2005

Participants : Singh Shri Prabhunath

>

Title : Regarding revised syllabus of eleventh standard on Medieval India by NCERT.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृट करना चाहता हूं कि इतिहास बदला जा रहा है। कल तक के इतिहास में जो बच्चों को पढ़ाया जाता था, उसमें पृथ्वीराज चौहान के विाय में एक महान देशभक्त, वीर योद्धा के रूप में प्र स्तुत किया गया था। हम उस पृथ्वीराज चौहान के विाय में आज चर्चा कर रहे हैं, जो अपने कवि मित्र की कविता पर, जो मौहम्मद गौरी इस भारत को लूट रहा था, उसका उन्होंने बाण से वध किया था।...(व्यवधान)

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : आप क्या कविता बोल रहे हैं, साफ-साफ बोलिये।

MR. SPEAKER: Shri Prabhunath Singh, you do not answer him.

... (*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : वे कविता सुनना चाहते हैं। हम आपकी इजाजत से कविता सुना देना चाहते हैं। पृथ्वीराज चौहान के कवि मित्र ने कहा था:

'चार बांस, 24 गजा, अंगुल अट प्रमाण, ताहि पर सुल्तान है, मत चूको चौहान।' - यही कविता थी, जिस कविता के आधार पर उन्होंने मौहम्मद गौरी को मारा था। लेकिन आज जो 11वीं कक्षा के बच्चों को पढ़ाया जा रहा है, उसमें पृथ्वीराज चौहान के विाय में जो लिखा गया है, वह समाचार-पत्र हिन्दुस्तान, 13.7.2005 पटना के अंक में छपा है, उसके कुछ अंश हम पढ़कर सुना देना चाहते हैं।

MR. SPEAKER: Is that a State Government publication?

श्री प्रभुनाथ सिंह : न्यूज़पेपर का हम कुछ अंश पढ़कर सुना रहे हैं, यह हिन्दुस्तान अखबार का है।

अध्यक्ष महोदय : यह स्टेट गवर्नमेंट के पब्लिकेशन के बारे में है क्या?

श्री प्रभुनाथ सिंह : जी हां। इसमें लिखा हुआ है कि एन.सी.ई.आर.टी. की नई किताबों में बच्चे नया इतिहास पढ़ेंगे। बच्चे अब तक पृथ्वीराज चौहान की वीरता के किस्से सुनते आये हैं, लेकिन एन.सी.ई.आर.टी. की नई किताब बताती है कि तराइन की दूसरी लड़ाई में मौहम्मद गौरी की सेना से श्री पृथ्वीराज चौहान जान बचाकर भागा और ¤ÉxnÉÒ ¤ÉxÉÉ ÉÊãÉªÉÉ MÉªÉÉ*[i21]

जबकि अब तक की मान्यता के अनुसार गद्दार करार दिए गए कन्नौज के गढ़वाल राजा जयचन्द ने गौरी की सेना को कड़ी चुनौती दी और आखिर में लड़ते हुए मारा गया। एनसीईआरटी की ग्यारहवीं की किताब मध्यकालीन भारत के सम्पादक सतीशचन्द्र हैं, जो वामपंथी इतिहासकार माने जाते हैं। इस पुस्तक में भी नीलान्द्री कमेटी के संशोधन शामिल किए गए हैं। अंत में लिखा गया है कि कन्नौज के राजा जयचन्द को देखकर के गद्दारों की फहरिस्त में शामिल किया गया है। राजा जयचन्द की मृत्यु को लेकर इतिहास में मतभेद है। राजपूतों का इतिहास लिखने

वाले कर्नल जेम्स स्टार्म लिखते हैं कि शहाबुद्दीन की सेना ने देशद्रोही जयजन्द के राज्य कन्नौज पर आक्रमण किया तो जयचन्द घबराकर कन्नौज से भागा और नाव पर बैठकर गंगा नदी को पार कर रहा था लेकिन दुर्भाग्य के प्रकोप से नाव गंगा में डूब गई और जयचन्द का वहीं पर अंत हो गया।

अध्यक्ष महोदय, अर्जुन सिंह जी यहां पर नहीं है, वे बीमार हैं। मैं कामना करता हूं कि वे शीघ्र स्वस्थ हो जाएं। मैं चाहता हूं कि सरकार इसमें हस्तक्षेप करे। इस समय कोई सक्षम मंत्री यहां नहीं है, लेकिन यूपीए की चैयमैन श्रीमती सोनिया गांधी जी यहां पर मौजूद हैं। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि इतिहास को बदलने का किसी को अधिकार नहीं है। देश ने जिसे सम्मान दिया है और एक महायोद्धा माना है, इतिहास में उसको गद्दार कहकर ग्यारहवीं कक्षा के बच्चों को पढ़ाया जाता है। यह देश के लिए दुर्भाग्य की बात है। इसलिए मैं चाहता हूं कि इसकी जांच करवायी जाए और जिन लोगों ने ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया है, उनके ऊपर कार्रवाई की जाए। पृथ्वीराज चौहान के प्रति देश के मन में जो सम्मान और भाव हैं उसे कायम रखा जाना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ी को गलत संदेश न जाए। मैं आपके माध्यम से सरकार से यही निवेदन करना चाहता हूं। धन्यवाद।...(व्यवधान)

श्री रूपचन्द पाल (हुगली) : सतीशचन्द्र तो वर्ल्ड फेमस हिस्टोरियन है।...(व्यवधान)

SHRIMATI JAYAPRADA (RAMPUR): Sir, I would like to… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I think, everybody knows her.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded except Shrimati Jayaprada's speech.

(Interruptions) ...*

SHRIMATI JAYAPRADA : Sir, I would like to draw the attention of the House.… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nobody can speak.